

Unit - I

भूगोल को परिभाषित करें तथा अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ इसके सम्बन्धों का वर्णन करें ?

यह शास्त्र जिसके द्वारा पृथ्वी के उपरी स्वरूप और उसके प्राकृतिक विभागों जैसे पहाड़, पठार, महादेश, नगर, नदी, समुद्र, झील, समरुमध्य, उपत्यका, वन, मानवीय बसाव, सभ्यता के मार्ग, व्यापार, जैसी हुई विस्तार, इसके लक्षण आदि के साथ-साथ पृथ्वी के अन्दर की पतली परत एवं पृथ्वी के ऊपर वायुमंडल के उपर पतली परत का वर्णन करता है।

भूगोल शब्द ग्रीक भाषा के शब्द Geo एवं Graphos से बना है।
Geo का अर्थ पृथ्वी एवं Graphos का अर्थ वर्णन करना है। भूगोल पहले Social-Science का ही एक भाग था लेकिन भूगणितज्ञ हेरॉटासनीप (276-194 ई०पू०) ने भूगोल को अलग विषय के रूप में नाम दिया इस लिये इसे भूगोल का पिता कहा जाता है।

भूगोल की परिभाषा विभिन्न विद्वानों ने निम्न प्रकार से दी है :-

ग्रीक विद्वान टालमी के अनुसार :- " भूगोल वह आभास्य विज्ञान है जो पृथ्वी की सतह स्वरूप में दिखता है।"

कांट के अनुसार :- " भूगोल भूतल का वर्णन है।"

जेम्स हटन के अनुसार :- " वर्तमान भूतल की बुंजी है।"

श्रीमैन तथा रॉप के अनुसार :- " पृथ्वी तथा उस पर दिखाई पड़ने वाली सभी जगहों या तथ्यों का वर्णन करना ही शब्दिक अर्थों में भूगोल है।"

अतः हम कह सकते हैं कि पृथ्वी का जो सम्पूर्ण वर्णन करे वही भूगोल है।

भूगोल के अन्तर्गत :- भौतिक भूगोल, मानव भूगोल, जीव भूगोल, आकृति विज्ञान, जलवायु विज्ञान, जल विज्ञान, सूर्य भूगोल, सांख्यिक भूगोल, सामाजिक भूगोल, जनसंख्या आवास भूगोल, भारतीय भूगोल, शारीरिक भूगोल, आर्थिक भूगोल, ऐतिहासिक भूगोल, औद्योगिक भूगोल, राजनितिक भूगोल, जनसंघर्ष भूगोल, मानवपरिस्थितिकी भूगोल, पर्यावरण भूगोल, भौगोलिक अंतर, मानचित्र, सांख्यिकी तकनीक, क्षेत्र सर्वेक्षण विधि, सू-सूचना तकनीक भूगोल आदि भूगोल की शाखाएँ आती हैं।

- विश्व के प्रमुख भूगोल वेदा
- भूगानी :- अस्त, इरोटासनीप, टालमी, क्रिस्टोफोरस, हेरॉटास, होमर, फ्राइड
 - भारत :- भाग्य कुसन, माह्माद रज्ज, राम लोचन सिंह, मुनिश रज्ज, गुरुदेव सिंह गोशाल आदि।
 - अमेरिका :- डेविस, एलेग मथिल सेमल, लुइस, मार्क जैफरसन, विलियमसन, एटिचन, जोसेफ हेनरी, पावेल आदि
 - ब्रिटिश :- हर्बर्टसन, डब्ले स्टाम्प, डेविड हर्वे, मैकिन्जर, पीटर ट्रेनेट आदि।
 - भारतीय :- अल इब्रीसी, अल मुसुदी, इब्न बतुल, अबुलैद, अल मानुबी, अलवेरुनी आदि।
 - फ्रांस :- पॉल वार्लड डि लॉ, क्लारा एम्बोलेट रेटजेल, रिचमोपन, जॉन ब्रूस, अलबर्ट डिजाकिथा, बफन
 - रोम :- स्टैको, पिलनी, मोन्गोनियर्स गेला
 - जर्मनी :- कालरिटर, एम्बोलेट, हेटनर, पेंन, जेबेल, जॉन रिचमोपन आदि।

भूगोल का अन्य विषयों के साथ सम्बंध

भूगोल को विज्ञान की पत्नी कहा गया है। यह एक ऐसा विषय जिसमें से अनेक शाखाएँ प्रसफुटित हुई हैं जिसका सम्बंध भूगोल से है। जैसे वृष्टि वरणाद के वृद्ध की लटकती शिराएँ तने का रूप धारण करती हैं एक समय ऐसा आता है कि शिरा तना बनकर मूल तना से प्लाश या समतुल्य मोड़ी हो जाती है। तब यह कहिन हो जाता है कि वरणाद का वृद्ध का मूल तना जोन सा है। ठीक उसी प्रकार भूगोल का सम्बंध अन्य विषयों से है जैसे :- जलवायु विज्ञान से, वनस्पति विज्ञान से, भू विज्ञान, पशु विज्ञान से, चंद्रा विज्ञान से, अर्थशास्त्र से, इतिहास से, राजनीति विज्ञान आदि से।

मानव के समग्र विकास के लिए अन्तर्विषय सम्बंध स्थापित करना परम आवश्यक हो गया है।

- (i) भूगोल एवं खगोल विज्ञान (Geography and Astronomy) :- खगोल विज्ञान में आकाशीय पिण्डों का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है जैसे सूर्य, चन्द्रमा, धूमकेतुओं आदि। भूगोल में सौरमण्डल, पृथ्वी की कैलिब्र एवं वार्षिक गति, सूर्य ग्रहण, चन्द्रग्रहण, सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाने वाले ग्रहों आदि का अध्ययन किया जाता है। इस प्रकार भूगोल एवं खगोल विज्ञान एक दूसरे से घनिष्ठ सम्बंध है।
- (ii) भूगोल एवं भूविज्ञान (Geography and Geology) :- भूविज्ञान में पृथ्वी के संगठन, संरचना तथा इतिहास का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है। भूगोल के अन्तर्गत पृथ्वी की आन्तरिक संरचना, पहाड़, पठार, मैदान आदि का वर्णन किया जाता है।
- (iii) भूगोल एवं मौसम विज्ञान (Geography and Climate Science) :- जलवायु विज्ञान के अन्तर्गत वायुदाब, तापमान, वर्षा, पवन आदि, वर्षण, मेघाच्छादन, सूर्य प्रकाश आदि का वर्णन किया जाता है। मौसम विज्ञान के इन तत्वों का विश्लेषण भूगोल में किया जाता है। अतः मौसम/जलवायु विज्ञान का सम्बंध भूगोल से है।
- (iv) भूगोल एवं जल विज्ञान (Geography and Hydrology) :- जल विज्ञान में महासागरीय जल से लेकर पशुओं के पीने, फसलों के सिंचाई करने, कारखानों में जल शक्ति, जल शक्ति, जल परिवहन मत्स्यखेट आदि का वर्णन किया जाता है। भूगोल में इन तत्वों का अध्ययन Oceanography सागरीय विज्ञान में किया जाता है अतः भूगोल एवं जल विज्ञान में अत्यन्त निकट और घनिष्ठ सम्बंध है।
- (v) भूगोल एवं पशु विज्ञान (Geography and Biology) :- भूगोल के अन्तर्गत पशुओं के वितरण का अध्ययन किया जाता है उनसे हमें उद्योगों के लिये कच्चा सामग्री, मोषन सामग्री आदि प्राप्त होता है और पशु विज्ञान में पशुओं के समर्थन उनकी विकास का अध्ययन किया जाता है अतः भूगोल एवं पशु विज्ञान एक दूसरे से सम्बंध है।
- (vi) भूगोल एवं अर्थशास्त्र (Geography and Economic) :- भोजन, वस्त्र, आवास मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकताएँ हैं जो जिसका अध्ययन अर्थशास्त्र में किया जाता है। मनुष्य की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक आदि आवश्यकताएँ बहुत कुछ अर्थ व्यवस्था पर ही अधारित होती हैं। भूगोल के अन्तर्गत आर्थिक भूगोल में इन किमाओं का अध्ययन किया जाता है।

(vii) भूगोल एवं इतिहास (Geography and History) :-> विश्व का सम्पूर्ण इतिहास प्राकृतिक से प्रभावित रहता है क्योंकि मानव सभ्यता का विकास नदियों की धारियों एवं उपजाऊ मैदानी भागों से रहा है। भूगोल में भी मानव के भौगोलिक पर्यावरण तथा परिस्थितियों का गहरा प्रभाव पड़ता है। किसी प्रदेश में जनसंख्या, कृषि, पशुपालन, खनन, उद्योग-धंधों, परिवहन के संसाधनों, व्यापारिक एवं वाणिज्यिक संस्थाओं आदि का ऐतिहासिक विकास का अध्ययन मानव भूगोल में किया जाता है।

(viii) भूगोल एवं समाज शास्त्र (Geography and Sociology) :-> समाजशास्त्र में मनुष्यों के सामाजिक जीवन, व्यवहार, समाज की उत्पत्ति, विकास, संरचना सामाजिक संस्थाओं का अध्ययन, वर्गों, स्तरों, समुदायों, रीति-रिवाज, प्रथा तथा नियमों आदि का वर्णन किया जाता है जिसका प्रभाव भौगोलिक पर्यावरण से सम्बंधित अतः समाजशास्त्रीय अध्ययनों में भौगोलिक ज्ञान आवश्यक होता है।

(ix) भूगोल एवं राजनीति शास्त्र (Geography and Political Science) :- राजनीति शास्त्र में शासन व्यवस्था, राज्यों की शासन प्रणाली, सरकारों, अंतरराष्ट्रीय सम्बंधों सीमा, विस्तार आदि का वर्णन मिलता है। जबकि भूगोल के अन्तर्गत राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सिमाओं एवं शारीरिक धटनाओं का अध्ययन किया जाता है। जर्मनी का एकिकरण, सोवियत संघ का विघटन इन क्षेत्रों का अध्ययन राजनीतिक भूगोल में किया जाता है। अतः अंतरराष्ट्रीय धटनाओं का सही अध्ययन भूगोल के अध्ययन के बिना सम्भव नहीं है। इसमें भू-राजनीति (Geo-Politics) का सही अध्ययन जरूरी है।